मोटो जीपी बाइक रेस से उत्तर प्रदेश ने भारत समेत विश्व में लहराया परचम

मनोज कुमार

ग्रेटर नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गौतमबुद्ध नगर को यूं ही उत्तर प्रदेश की आर्थिक राजधानी नहीं कहते हैं। बल्कि इसके पीछे कई अहम कारण हैं और उन्हीं वजह से आज यूपी का न सिर्फ भारत में बल्कि विदेशों में डंका बज रहा है। हालांकि यह बात अलग है कि यह सभी ख्याति गौतमबुद्धनगर के बलबूते ही सरकार को मिल रही है। वैश्विक निवेश सम्मेलन, मोटो जीपी बाइक रेस और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला सभी से न सिर्फ आर्थिक रूप से लाभ मिला है बल्कि राजनैतिक रूप से भी वाहवाही हो रही है। इससे प्रदेश को बूस्टर डोज मिल रहा है। लोकसभा चुनाव में भाजपा को इसका सीधा लाभ मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

दरअसल, यूपी सरकार ने फरवरी में वैश्विक निवेश सम्मेलन का आयोजन किया था। प्रदेश में 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश का करार हुआ था। सबसे अधिक निवेश गौतमबुद्धनगर को मिला था। अकेले यमुना प्राधिकरण को एक लाख करोड़ से अधिक के करार हुए। जबकि नोएडा प्राधिकरण और ग्रेटर नोएडा को भी काफी अच्छा निवेश मिला।

बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर सीएम योगी ने रेसर बाइक देखी। एजेंसी

नेताओं ने जताई नाराजगी तो तत्काल बनवाया कार्ड

मोटो जीपी के लिए प्रवेश पास नहीं मिलने से जिले के जनप्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय में सीएम के समक्ष नाराजगी जाहिर की। इस पर सीएम ने कंपनी के अफसरों को तत्काल पास बनाने के निर्देश दिए। इसके बाद सभी के पास बनाए गए।